लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1273

01 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात खपत

1273. डॉ. कंभमपति हरिबाबू:

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चालू वर्ष के दौरान इस्पात खपत में कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा देश में इस्पात की खपत में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख): जी नहीं। अप्रैल-अक्तूबर, 2014 की अवधि में फिनिश्ड इस्पात की खपत 43.135 मिलियन टन रही जबकि इसकी तुलना में अप्रैल-अक्तूबर, 2013 के दौरान यह खपत 42.906 मिलियन टन जो थी, इसमें 0.5 प्रतिशत की वृद्धि को प्रदर्शित करता है(स्त्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी))।

(ग): इंस्टीट्यूट फोर स्टील डेवलपमेंट एण्ड ग्रोथ जो कि इस्पात मंत्रालय के साथ- साथ मुख्य इस्पात उत्पादकों द्वारा प्रोत्साहित एक संगठन है, निर्माण और संबद्ध क्षेत्रों में इस्पात के कुशल उपयोग की दिशा में कार्य कर रहा है। आईएनएसडीएजी ने इस्पात की खपत में बढ़ोत्तरी और इस्पात उपयोग के लाभों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए अनेक गतिविधियां/पहल शुरू की है। आईएनएसडीएजी देश में इस्पात की खपत में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठा रहा है:-

1. इस्पात उपयोग के लाभों पर राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षणों और निर्माण में उत्कृष्ट प्रणालियों को प्रोत्साहन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात अभियान आयोजित करना।
2. इस्पात के साथ मॉडल ग्रामीण भवनों, कल्वट्र्स, पंचायत हॉल, सामुदायिक शौचालयों आदि की डिजाईन विकसित करना और उन्हें प्रोत्साहित करना।
3. इस्पात के निर्माण में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण संचालित करना।
4. सलाहकारी सेवाएं और सामग्री तथा निर्माण प्रणालियाँ उपलब्ध करना।
5. आवश्यकता आधारित तकनीकी मैन्यूअल्स, इस्पात आधारित निर्माण संबंधी मार्ग दर्शक पुस्तकें और रिपोर्ट प्रकाशित करना।

****